Mr. Deputy-Speaker: The question is:

"That in pursuance of clause 3(vii) of the Rules and Regulations of the Tuberculosis Association of India, the members of Lok Sabha do proceed to elect, in such manner as the Speaker may direct, two members from among themselves to serve as members of the Central Committee of the Tuberculosis Association of India."

The motion was adopted.

(ii) COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH

Dr. S. Chandrasekhar: I beg to move:

"That in pursuance of items (xiii) and (xiv) of rule 20 of the Rules and Regulations of the Indian Council of Medical Research, the members of Lok Sabha do proceed to elect, in such manner as the Speaker may direct, two members from among themselves to serve as members of the Governing Body of the Indian Council of Medical Research."

Mr. Deputy-Speaker: The question is:

"That in pursuance of items (xiii) and (xiv) of rule 20 of the Rules and Regulations of the Indian Council of Medical Research, the members of Lok Sabha do proceed to elect, in such manner as the Speaker may direct, two members from among themselves to serve as members of the Governing Body of the Indian Council of Medical Research."

The motion was adopted.

14.07 hrs.

GENERAL BUDGET—GENERAL DISCUSSION—*Contd.*

Mr. Deputy-Speaker: The House will now resume the general discussion on the general budget. Shri Randhir Singh may continue his speech.

श्री रणधीर सिंह (रोहतक) : मोहतरिम डिपुटी स्पीकर साहब, कल आपने निहायत मेहरबानी करके मुझे किसान की बात कहने की इजाजत दी। आज मैं आप के सामने जवान की बात कहना चाहता हूं।

हिन्दुस्तान एक जिस्म है, किसान उसका दायां हाथ है। और जवान उसका बायां हाथ है। जवान की बात, फौज की बात और देश के डिफेंस की बात मैं इसलिए कहता हूं, क्योंकि इस बजट में डिफेंस में छः करोड़ रुपये की कटौती की गई है। मैं निहायत अदब के साथ अर्ज करना चाहता हूं कि मैं इस कटौती से इत्तिफ़ाक नहीं करता हूं और चाहता हूं कि डिफेंस के लिए और काफी बड़ी रकम मखसूस की जानी चाहिए थी।

आप जानते है कि कार्ल मार्क्स ने, जो कि एक बहुत बड़े फ़िलासफ़र हुए हैं, उन्नीसवीं सदी में हिन्दुस्तान के बारे में कई आर्टिकल्ज लिखे। उन्होंने तनकीदन कहा कि हिन्दुस्तान की तारीख भी क्या है— यह तो हमलावरों की तारीख है या गुलामी की तारीख है। मैं समझता हूं कि हमें इस से सबक लेना चाहिए, उसमें बुरा नहीं मानना चाहिए। चूंकि हमारा डिफेंस कमजोर था, इसलिए कासिम और सिकन्दर ने हमारे देश के काफी बड़े हिस्से को रौंद डाला, महमूद गजनवी ने हमको सत्रह बार शिकस्त-फ़ाश दी, हमें गौरी के मुकाबले में दो बार और पानीपत के मैदान में तीन बार मुंह की खानी पड़ी। अंग्रेज के मुकाबले में भी हमने देश के डिफ़ेंस के मामले में लापरवाही की, जिसकी वजह से दो बार——बक्सर और प्लासी में—— हमें देश का अपमान बर्दाश्त करना पड़ा। आज़ादी के बाद भी जब चीन से हमारा मुकाबला हुआ, तो हमारी कोई इज्जत नहीं हुई।